Dated B.Ed 1st year - 2019-2021
08/05/2020 Teaching of Childhood and Growing up.

विकास की अवधारणा ->

विकास की प्रक्रिया एक अविरल, क्रमिक तथा सतत प्रक्रिया होती है विकास की प्रक्रिया मे बालक का शारीरिक, क्रियात्मक, संज्ञानात्मक, भाषागत, संवेगात्मक, एवं सामाजिक विकास होता है।

विकास की प्रक्रिया के अन्तर्गत रुचियों, आदतों, दृष्टिकोणों, जीवन-मूल्यों, स्वभाव, व्यक्तित्व, व्यवहार इत्यादि को भी शामिल किया जाता है।

बालक के विकास की प्रक्रिया उसके जन्म से पूर्व गर्भ मे ही प्रारम्भ हो जाती है। विकास की इस प्रक्रिया मे वह गर्भावस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था इत्यादि कई अवस्थाओं से गुजरते हुए परिपक्वता की स्थिति प्राप्त करता है।

बाल-विकास का अध्ययन ->

जन्म होने से पूर्व एवं जन्म होने के बाद परिपक्व होने तक बालक मे किस प्रकार के परिवर्तन होते है। बालक मे होने वाले परिवर्तनों का विशेष आयु के साथ क्या सम्बन्ध है। आयु के साथ होने वाले परिवर्तनों का क्या स्वरूप होता है। ~~बालकों मे होने वाले उपलब्धि~~

विकास के अभिलक्षण ->

विकास एक जीवन-पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है, जो गर्भधारण से लेकर मृत्यु-पर्यन्त तक होती रहती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

विकासात्मक परिवर्तन प्रायः व्यवस्थापरक, प्रगत्यात्मक और नियमित होते है। सामान्य से विशिष्ट और सरल से जटिल की ओर एकीकृत से क्रियात्मक स्तर की ओर अग्रसर होने के दौरान, प्रायः यह एक पैटर्न का अनुसरण करते है।

वृद्धि एवं विकास मे अन्तर →

वृद्धि शब्द का प्रयोग परिमाणात्मक परिवर्तनो, जैसे-बच्चे के बड़े होने के साथ उसके आकार, लम्बाई, ऊँचाई इत्यादि के लिये होता है।

वृद्धि विकास के प्रक्रिया का एक चरण होता है। इसका क्षेत्र सीमित होता है।

वृद्धि की क्रिया आजीवन नहीं चलती। बालक के परिपक्व होने के साथ ही यह रुक जाती है।

विकास शब्द का प्रयोग परिमाणात्मक परिवर्तनों के साथ-साथ व्यावहारिक कार्यक्षमता, व्यवहार मे सुधार इत्यादि के लिए भी होता है।

विकास अपने-आप मे एक विस्तृत अर्थ रखता है। वृद्धि इसका एक भाग होता है।

— मानव विकास की अवस्थाएँ

गर्भावस्था – गर्भाधान से जन्म तक।
शैशवावस्था – जन्म से 5 वर्ष तक।
बाल्यावस्था – 5 वर्ष से 12 वर्ष तक।
किशोरावस्था – 12 वर्ष से 18 वर्ष तक।
युवावस्था – 18 वर्ष से 25 वर्ष तक।
प्रौढ़ावस्था – 25 वर्ष से 55 वर्ष तक
वृद्धावस्था – 55 वर्ष से मृत्यु तक

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इस समय अधिकतर विद्वान मानव विकास का अध्ययन निम्नलिखित चार अवस्थाओं के अन्तर्गत करते हैं।

शैशवावस्था - जन्म से 6 वर्ष तक।
बाल्यावस्था - 6 वर्ष से 12 वर्ष तक।
किशोरावस्था - 12 वर्ष से 18 वर्ष तक।
वयस्कावस्था - 18 वर्ष से मृत्यु तक।

शिक्षा की दृष्टि से प्रथम तीन अवस्थाएँ महत्वपूर्ण हैं, इसलिये शिक्षा मनोविज्ञान में इन्हीं तीन अवस्थाओं में होने वाले मानव विकास का अध्ययन किया जाता है।

अधिगम

- अधिगम का अर्थ होता है - सीखना।
- अधिगम एक प्रक्रिया है, जो जीवन-पर्यन्त चलती रहती है एवं जिसके द्वारा हम कुछ ज्ञान अर्जित करते हैं। या जिसके द्वारा हमारे व्यवहार में परिवर्तन होता है।

जन्म के तुरन्त बाद से ही व्यक्ति सीखना प्रारम्भ कर देता है अधिगम व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। इसके द्वारा जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलती है अधिगम के बाद व्यक्ति स्वयं और दुनिया को समझने के योग्य हो पाता है।

परिभाषाएं -

गेट्स के अनुसार "अनुभव द्वारा व्यवहार में रूपान्तर लाना ही अधिगम है"

ई. ए. पील के अनुसार - "अधिगम व्यक्ति में एक परिवर्तन है जो उसके वातावरण के परिवर्तनों के अनुसरण में होता है"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

बालक के विकास की विभिन्न अवस्थाएँ एवं उनका अधिगम से सम्बन्ध—

शैशवावस्था एवं इसके दौरान अधिगम

जन्म से 6 वर्ष तक की अवस्था को शैशवावस्था कहा जाता है। इसमें जन्म से 3 वर्ष तक बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास तेजी से होता है।

शैशवावस्था में अनुकरण एवं दोहराने की तीव्र प्रवृत्ति बच्चे में पाई जाती है।

बाल्यावस्था एवं इसके दौरान अधिगम

- 6 वर्ष से 12 वर्ष तक की अवस्था को बाल्यावस्था कहा जाता है।
- बाल्यावस्था के प्रथम चरण 6 से 9 वर्ष में बालकों की लम्बाई एवं भार दोनों बढ़ते हैं।
- इस काल में बच्चों में चिन्तन एवं तर्क शक्तियों का विकास हो जाता है।

किशोरावस्था एवं इसके दौरान अधिगम—

- 12 वर्ष से 18 वर्ष तक की अवस्था को किशोरावस्था कहा जाता है।
- यह वह समय होता है जिसमें व्यक्ति बाल्यावस्था से परिपक्वता की ओर उन्मुख होता है।
- इस अवस्था में किशोरों की लम्बाई एवं भार दोनों में वृद्धि होती है, साथ ही मांसपेशियों में भी वृद्धि होती है।

विकास के विभिन्न आयाम एवं उनका अधिगम से सम्बन्ध—

- शारीरिक विकास
- मानसिक विकास—
- भाषायी विकास

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

सामाजिक विकास,
सांवेगिक विकास

PAGE NO.
DATE: / /

HARVESH CHANDRA
ASSISTANT PROFESSOR
08/05/2020

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner